**Поэма Н.А. Некрасова "Кому на Руси жить хорошо".**

1863 \_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_ 1877

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| *Задача*: |  | *Цель*: |
| показать Русь снизу доверху до и после реформы. |  | осмыслить опыт борьбы за свободу, разобраться в сущности народного характера. |
| *Пролог* - программа действий |
|  |  |  |
|  |  |  |
| *Цель путешествия*: "Кому живется счастливо, вольготно на Руси". |
|  |  |  |
| *Главный конфликт поэмы*. |
|  |
|  |
| "*Дольщики*": |  | "*Народное море*": |
|  |  |  |
|  |  |  |
| духовенство,  |  | холопы | протестанты | русская женщина |
| чиновники, |  | Ипат, | правдоискатели, | Матрена |
| помещики: |  | Яков, | Яким Нагой, | Тимофеевна |
| Оболт-Оболдуев, |  | Шутов, | Ермил Гирин, | Корчагина |
| Утятин-Последыш,  |  | Глеб | Савелий |  |
| Шалашников, |  |  |  |  |
| Фогель, |  |  | Народный заступник |
| Глуховский. |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  | Григорий Добросклонов |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| *Понимание счастья, долга*. |
|  |

Тому живется хорошо на Руси, кто борется за освобождение народа.

Приложение